सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-276
07/06/2018

विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है :– मुख्यमंत्री

पटना, 07 जून 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज रोहतास जिला के करगहर ग्राम के हरिहर मोतिरानी नगर स्थित स्व0 सूबेदार सिंह महाविद्यालय प्रांगण में भूतपूर्व मुखिया एवं महाविद्यालय के संस्थापक सचिव स्व0 सूबेदार सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। स्थानीय नेताओं ने मुख्यमंत्री को फूल–माला एवं गुलदस्ता भेंटकर उनका भव्य स्वागत किया। जनसभा स्थल मंच पर स्व0 सूबेदार सिंह के पोते एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी, अंगवस्त्र एवं गुलदस्ता भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सबसे पहले स्व0 सूबेदार सिंह के चरणों में श्रद्धा–सुमन अर्पित कर करगहर की धरती को नमन किया। उन्होंने कहा कि श्री भगवान सिंह कुशवाहा जो पूर्व मंत्री हैं, वे विशेष तौर पर धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने हमें इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया। शिक्षा के क्षेत्र में स्व0 सूबेदार सिंह की इतनी दिलचस्पी थी कि उन्होंने अपनी जमीन दान कर कॉलेज की स्थापना की जबकि उस समय स्कूल भी नहीं के बराबर थे। पिछड़े वर्ग के लोगों का संगठन त्रिवेणी संघ से जुड़कर प्रतिकूल परिस्थितियों में स्व0 सूबेदार सिंह ने अनुभव के आधार पर शिक्षा के क्षेत्र में काम किया, यह कोई मामूली बात नहीं है। उन्होंने कहा कि स्व0 सूबेदार सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य ने महाविद्यालय के विकास के संदर्भ में जिन बातों को रखा है, उससे शिक्षा विभाग को अवगत करा दिया जाएगा और राज्य सरकार उसमें पूरा सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर शराबबंदी लागू की गई, ऐसे में उनका फर्ज और कर्तव्य बनता है कि निरंतर इसके लिए अभियान चलाते रहें क्योकि कुछ लोग अभी भी हैं जो चोरी छिपे या सरकारी तंत्र की मदद लेकर धंधा करने और शराब का सेवन करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं जब सजग रहेंगी और वैसे लोगों को भी समझाएगी जो शराब छोड़ दूसरी नशीली पदार्थों का सेवन करने लगे हैं तो गड़बड़ी करने वालों पर पूरी तरह अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा काम जन–जागृति से ही संभव हो सकेगा। शराबबंदी के बाद पूरे बिहार में अमन चैन कायम हुआ है, लोगों के घरों में खुशहाली लौटी है, घरेलू कलह बंद हुए हैं, गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सर्वे कराया जा रहा है कि जिन परिवारों के समक्ष शराबबंदी से जीविकोपार्जन की समस्या उत्पन्न हुई है, उन्हें राज्य सरकार अपनी तरफ से ई–रिक्शा, पशुपालन, दुकान खुलवाने जैसी पांच–छह तरह के वैकल्पिक रोजगार मुहैया करायेगी। पूर्णिया में ऐसे प्रभावित परिवारों को गाय उपलब्ध कराया गया है, जो अब दूध बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं, जिसका पूरे प्रदेश में विस्तार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल, अस्पताल, पुल–पुलिया, सड़क जैसे हर क्षेत्र में विकास का काम हो रहा है और हमारी दिलचस्पी समाज सुधार और पर्यावरण में भी है। उन्होंने कहा

कि सामाजिक कुरीतियों को खत्म किये बिना लोगों को विकास का पूरा लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहले दहेज प्रथा सम्पन्न परिवारों में प्रचलित था लेकिन आज कल यह सभी वर्गों में देखने को मिल रही है। बाल विवाह गैर कानूनी है, 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के की शादी नहीं होनी चाहिए बावजूद इसके ऐसी शादियॉ हो रही हैं। बाल विवाह और दहेज प्रथा दोनों एक दूसरे से जुड़े हुये हैं इसलिए इन दोनों कुरीतियों का समाज से हर हाल में खात्मा होना चाहिए और इसके लिए निरंतर सशक्त अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है लेकिन यह कमी सिर्फ लड़को के मृत्यु दर में आई है इसलिए हर माता पिता से अपील है कि बेटे की तरह ही वह बीमार पड़ने पर अपनी बेटी का भी समुचित इलाज करायें। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं, पंचायत और नगर निकाय के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। लड़कियों के लिए साइकिल और पोशाक योजना शुरू की गई ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़ सके और लड़कियां आत्मनिर्भर बनें। इसके लिए मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना शुरू की गयी है। इसका मकसद बाल विवाह को रोकना है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 2 वर्ष की उम्र पूरा करने वाली बालिकाओं को राज्य सरकार की तरफ से 5,000 रुपये मुहैया कराया जायेगा, जिसमें लड़की पैदा होने के वक्त उसके माता–पिता के खाते में 2000 रुपये, एक साल बाद आधार से लिंक होने पर 1,000 रुपये और 2 वर्ष की अवधि तक पूर्ण टीकाकरण होने पर पुनः 2000 रुपये उपलब्ध कराये जायेंगे। इसके अतिरिक्त पहले से चल रही पोशाक योजना की राशि में भी बढ़ोत्तरी की गयी है, जिसमें कक्षा एक एवं दो में पढ़ने वाली लड़कियों को 400 रूपये की जगह 600 रुपये, कक्षा 3 से 5 में पढ़ने वाली बालिकाओं को 500 के बजाय 700 रुपये, कक्षा 6 से 8 में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए 700 की जगह 1,000 रुपये और कक्षा 9 से 12वीं में पढ़ने वाली छात्राओं को अब 1,000 की जगह 1,500 रूपये की राशि पोशाक के लिए प्रदान की जाएगी। किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 7वीं से 12वीं में पढ़ने वाली लड़कियों को सैनेटरी नैपकिन के लिए पहले जहाँ 150 रुपये सालाना दिये जाते थे, अब उनकी जगह उन्हें 300 रुपये प्रदान किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि बाल विवाह पर लगाम लगाने के लिए इंटरमीडिएट पास करने वाली अविवाहित लड़कियों को 10,000 रूपये की राशि मुहैया कराने का राज्य सरकार ने फैसला लिया है, वहीं ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों को 25,000 रुपये मुहैया कराने का भी राज्य सरकार ने निश्चय किया है, वह चाहे कुंवारी हो या विवाहित। इस प्रकार एक लड़की के पैदा होने से ग्रेजुएट की पढ़ाई पूरी करने तक सरकार उस पर 54,100 रुपये खर्च करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसानों का इलाका है। राष्ट्रीय स्तर पर फसल बीमा योजना चलाई जाती है, जिसमें किसानों को कम और बीमा कंपनियों को ज्यादा लाभ मिलता है। इसको देखते हुए बिहार राज्य फसल सहायता बीमा योजना की शुरुआत की गई है, इसमें किसानों को बीमा प्रीमियम के लिए एक भी पैसा नहीं देना है। बाढ़ और सुखाड़ से फसल की क्षति होने पर आपदा प्रबंधन विभाग की मदद के अतिरिक्त राज्य सरकार किसानों को सहायता देगी। उन्होंने कहा कि बिहार के 4 जिलों में जैविक तरीके से सब्जी की खेती करने पर अग्रिम इनपुट सब्सिडी मुहैया कराई गयी है, जिससे मिले अनुभव के आधार पर उसे पूरे बिहार में लागू किया जाएगा। इसके बाद अन्य फसलों के लिए भी इस योजना को लागू किया जायेगा।

जनसभा में मौजूद लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी अपने बच्चों को पढ़ाने के साथ–साथ अन्य लोगों को भी शिक्षा के लिए प्रेरित कीजिये। उन्होंने कहा कि सात निश्चय योजना के साथ ही अन्य योजनाओं पर भी तेजी से काम आगे बढ़ रहा है, आप सब इसमे सहयोग कीजिये। उन्होंने कहा कि न्याय के साथ विकास का काम हम करते हैं और उसी आधार पर योजनाएं भी बनाते हैं ताकि विकास का लाभ हर तबके और हर इलाके को मिले। उन्होंने कहा कि अभी भी कुछ ऐसे परिवार हैं, जिन्हें कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी नहीं है और न ही उनके पास आज तक राशन कार्ड है। ऐसे परिवारों का गहन सर्वेक्षण कराया जा रहा है। उन्हें प्रेरित कर विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए विशेष योजना बनी है। उन्होंने कहा कि हमें वोट की चिंता से कोई मतलब नहीं है, कोई वोट हमें दे या न दे विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आज कल राजनीति में लोग सिर्फ जुबान चलाते हैं और जातीय समीकरण बिठाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है और गौरव के उस स्थान पर पुनः बिहार को स्थापित करने की दिशा में हम काम कर रहे हैं।

प्रतिमा अनावरण समारोह को पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह कुशवाहा, विधायक श्री वशिष्ठ सिंह एवं विधान पार्षद श्री संजीव श्याम ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर स्व0 सूबेदार सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य श्री रामनरेश सिंह, पूर्व विधान पार्षद श्री कृष्णा सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष श्री नागेंद्र चंद्रवंशी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राधामोहन पाण्डेय, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पटना के पुलिस महानिरीक्षक श्री नैय्यर हसनैन खां, जिलाधिकारी श्री पंकज दीक्षित, पुलिस अधीक्षक श्री सत्यवीर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय लोग एवं स्व0 सूबेदार सिंह महाविद्यालय के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

******